



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

का. 44]

नई दिल्ली, मग्नवार, फरवरी 1, 1994/माघ 12, 1916

No. 44] NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 1, 1994/MAGHA 12, 1916

जल-भूतल परिषहन मंत्रालय  
(पत्तन पथ)  
अधिसूचना  
नई दिल्ली, 1 फरवरी, 1994

सांकेतिक 51(अ) :—केन्द्र सरकार, महापत्तन व्याम अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गतियों का प्रयोग करते हुए, पत्तन व्यामी मण्डल द्वारा बनाए गए और इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची में भद्राम पत्तन व्याम कर्मचारी (बोर्ड के हस्पताल में चिकित्सा हाजिरी तथा अस्पताल प्रभार के लिए प्रतिपूर्ति) विनियम, 1994 का अनुमोदन करती है।

2. उक्त विनियम उस अधिसूचना के भरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।

[फांसंपीड्यार-12016/13/93-पी०ई०-1]  
अप्रोक्त जोशी, संयुक्त सचिव

भद्राम पोर्ट इम्प्ट

भद्राम पोर्ट इम्प्ट कर्मचारी (इम्प्ट के अस्पताल में चिकित्सा हाजिरी तथा अस्पताल प्रभार के लिए प्रतिपूर्ति) विनियम, 1994

महा पत्तन व्याम अधिनियम, 1963 (1963 का 38वां) की धारा 28 के तहत प्रदत्त गतियों का प्रयोग करते हुए

भद्राम पोर्ट इम्प्ट कर्मचारी (बोर्ड के अस्पताल में चिकित्सा हाजिरी) योजना तथा भद्राम पोर्ट इम्प्ट कर्मचारी (अस्पताल प्रभारों के लिए प्रतिपूर्ति) योजना को प्रतिस्थापित करते हुए, भद्राम पोर्ट इम्प्ट बोर्ड निम्न लिखित विनियम बनाता है।

### 1. लघु शीर्ष

ये विनियम भद्राम पोर्ट इम्प्ट कर्मचारी इम्प्ट के अस्पताल में (चिकित्सा हाजिरी तथा अस्पताल प्रभार के लिए प्रतिपूर्ति) विनियम 1994 के नाम से कहताएँगे।

### 2. पावना (हकदारी)

(1) बोर्ड की अनुसूची में आने वाले भी कर्मचारियों के लिए ये विनियम लाग दोंगे।

(2) इस विनियम के उप-विनियम (4) तथा (5) के प्रावधानों के अनुसार, विभिन्न शिक्षा योजना के तहत नियुक्त गिर्ल इम्प्ट के अस्पताल में मुफ्त चिकित्सा हाजिरी के लिए पाव दोंगे।

(3) गाजर/केन्द्रीय सरकार या इसके पोर्ट/सार्वजनिक उपकरण आदि से भद्राम पोर्ट इम्प्ट में प्रतिनियुक्त पर आए हुए कर्मचारियों के मामले में ऐसे कर्मचारी इम्प्ट के अस्पताल में प्रतिनियुक्ति की शर्तों के तहत मुफ्त चिकित्सा हाजिरी के लिए पाव दोंगे, वरन्ते कि वे अपने मूल विभाग में भी मुफ्त चिकित्सा उपचार के लिए पाव हों।

(4) उपरोक्त उप विनियम (2) व (3) में उल्लिखित शिक्षा तथा प्रतिनियुक्ति पर आए हुए कर्मचारी इन विनियमों के तहत किसी अस्पताल के प्रभारों की प्रतिपूर्ति के लिए हक्कदार नहीं होंगे तथा उनके परिवार वाले द्रस्ट के अस्पताल में मुफ्त चिकित्सा हाजिरी व किसी अस्पताल के प्रभार की प्रतिपूर्ति के लिए हक्कदार नहीं होंगे ।

(5) द्रस्ट के ऐसे कर्मचारी जो राज्य/केन्द्र सरकार या अन्य महा पसनों/सार्वजनिक उपकरण जैसी दूसरी अन्य स्थापनाओं में प्रतिनियुक्ति पर जाते हैं तो वे द्रस्ट के अस्पताल में चिकित्सा हाजिरी के लिए पात्र होंगे, बशर्ते कि समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार उस स्थापना से चिकित्सा प्रभारों की बस्ती की जाएगी तथा वह प्रतिनियुक्ति की शर्तों के तहत होगा ।

(6) इन विनियमों के प्रावधानों के अनुसार बोर्ड की हजारीनुसार किसी अन्य व्यक्ति या संगठन के लिए द्रस्ट के अस्पताल में चिकित्सा हाजिरी की सुविधा प्रदान की जा सकती है ।

नोट (i) मद्रास पोर्ट द्रस्ट में नियुक्त के ०आ०म०ब० के व्यक्ति तथा मद्रास पोर्ट द्रस्ट औद्योगिक कर्मचारी सहकारी कैटीन के कर्मचारी तथा उनके परिवार के सदस्यों को मुफ्त चिकित्सा उपचार भी इसमें शामिल है ।

(ii) निर्धारित प्रभारों के भुगतान पर म०डा०ले०ब० के कर्मचारी व उनके परिवार के सदस्यों को द्रस्ट के अस्पताल में चिकित्सा उपचार दिया जाएगा ।

(7) उपरोक्त विनियम (1) में बताए गए कर्मचारी तथा उनके हक्कदार परिवार सदस्य द्रस्ट अस्पताल में चिकित्सा हाजिरी की सुविधा का लाभ निम्नलिखित शर्तों के तहत प्राप्त कर सकते हैं:—

(i) कर्मचारी की पत्नी/पति पूर्ण रूप से कर्मचारी पर निर्भर हो तथा कर्मचारी के साथ ही रहे ।

(ii) अगर कर्मचारी की पत्नी/पति पोर्ट के बाहर किसी लाभकार पद पर नीकरी कर रहे हैं तथा कर्मचारी पर पूर्ण रूप से निर्भर नहीं हैं तो वह परिवार की परिभाषा के अंतर्गत तभी आएगी जब कि पति/पत्नी दोनों में से एक दूसरे संगठन में काम कर रहा है/रही है जहां मुफ्त चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं है । परन्तु जहां पति/पत्नी पोर्ट द्रस्ट के बाहर लाभदायक पद पर कार्य कर रहे हैं और जहां पर ऐसी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध है तो वे, या तो मद्रास पोर्ट द्रस्ट के तहत आने वाली सुविधा अथवा वह संगठन जहां सुविधा उपलब्ध है और जिसमें वे कार्यरत हैं, को छूने के हक्कदार होंगे । इस प्रयोजनार्थ पति/पत्नी तथा उनके/उसके पात्र आश्रितों के मामले में किए गए चिकित्सा ध्यय की प्रतिपूर्ति के लिए कौन दावा करेगा, इस आशय का

विनिर्धारित प्रपद में उनके संबंधित प्राधिकारियों को वे संयुक्त धोषणा पत्र भर कर देंगे । उपरोक्त धोषणा की दो प्रतियां प्रस्तुत करनी। होंगी तथा उनके संबंधित कायरियों में प्रत्येक की वैयक्तिक फाइल में एक-एक प्रति रखी जाएगी जब तक पति तथा पत्नी दोनों द्वारा लिखित रूप में परिशोधन के लिए अनुरोध न किया जाए तब तक वह धोषणा लागू रहेगी । अगर पति तथा पत्नी दोनों मद्रास पोर्ट द्रस्ट में नीकरी कर रहे हैं तो भी उपरोक्त प्रक्रिया ही अपनायी जाएगी ।

(iii) सिर्फ वे माता-पिता जो कर्मचारी के साथ रहते हैं तथा जिनकी आय प्रति माह ५००/- रुपए में ज्यादा न हो या ऐसी सीमा जो बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित की जाए, को ही कर्मचारी पर पूर्ण रूप से निर्भर कहा जाएगा ।

(iv) इन विनियम के तहत चिकित्सा सुविधा की हक्कदारी के लिए निर्भर माता-पिता के संबंध में उनके ग्राम के लिए स्वीकृत मूल पेशन को ही लिया जाएगा न कि कम्प्यूटेशन के बाद की पेशन ।

(v) बेटों या अविवाहित बेटियों जो अंशकालिक आधार के अलावा अन्यथा कार्यरत हैं तो ऐसी नियुक्ति उनकी आय व आयु को देखे बिना लाभदायक नियुक्ति मानी जाएगी तथा कर्मचारी पर पूर्ण रूप से निर्भर नहीं माने जाएंगे ।

(vi) द्रस्ट के सेवा निवृत्त कर्मचारियों के मामले में तथा जिनके बेटा-बेटी द्रस्ट में नीकरी कर रहे हैं, तो ऐसे सेवा निवृत्त कर्मचारी इन विनियम की उपरोक्त उप धारा (iii) के तहत चिकित्सा सुविधा ले सकते हैं, जो बशर्ते कि उन्होंने मद्रास पोर्ट द्रस्ट कर्मचारी (सेवा निवृत्ति के बाद अंशदायी बहिरंग तथा अंतरंग चिकित्सा सुविधा) विनियम, 1989 के तहत चिकित्सा सुविधा के लिए अपना विकल्प नहीं दिया है ।

#### नोट

(i) अपने परिवार के मदस्यों के बारे में पूर्ण विवरण देते हुए, द्रस्ट के मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी किया गया वैयक्तिक चिकित्सा पहचान कार्ड तथा परिवार चिकित्सा पहचान कार्ड हर कर्मचारी को अपने विभाग के विभागाध्यक्ष से प्राप्त करना होगा ।

(ii) इलाज के लिए रिपोर्ट करते वक्त वैयक्तिक चिकित्सा पहचान कार्ड न देने पर कर्मचारी/उसके परिवार वाले इन विनियम के तहत द्रस्ट के अस्पताल/डिस्पेंसरी में इलाज के लिए अपात्र होंगे ।

### 3. परिभाषाएं

इन विनियमों के तहत जब तक कि संदर्भ अन्यथा न हो तब तक निम्नलिखित का अर्थ वही होगा जो कि नीचे वर्णिया गया हैः—

- (i) “अधिनियम” से तात्पर्य है मद्रास पोर्ट, ट्रस्ट अधिनियम 1963 है।
- (ii) बोर्ड से तात्पर्य है समय-समय पर सशोधित महापत्तन न्यास अधिनियम 1963 के तहत बनाया गया मद्रास पोर्ट के बोर्ड के न्यासी।
- (iii) “अध्यक्ष”, “उपाध्यक्ष” तथा “विभागाध्यक्ष” का वही अर्थ होगा जो कि महापत्तन न्यास अधिनियम 1963 में दिया है।
- (iv) मुख्य चिकित्सा अधिकारी से तात्पर्य है पोर्ट ट्रस्ट बोर्ड का मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा चिकित्सा विभाग का विभागाध्यक्ष।
- (v) “वित्तीय सलाहकार तथा मुख्य लेखा अधिकारी” से तात्पर्य पोर्ट ट्रस्ट बोर्ड के वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी तथा लेखा विभाग के विभागाध्यक्ष से है।
- (vi) “चिकित्सा अधिकारी” से तात्पर्य पोर्ट ट्रस्ट बोर्ड का चिकित्सा विभाग में काम करने वाले डॉक्टर से है, जिसमें चिकित्सा अधिकारी (सेलेक्शन ग्रेड), रेजिडेंट चिकित्सा अधिकारी, मुख्य चिकित्सक (फिजीथियन), मुख्य सर्जन, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी आदि शामिल हैं।
- (vii) “मंजूरी प्राधिकारी” से तात्पर्य इन विनियमों की अनुसूची-1 में बताए अनुसार अस्पताल प्रभार की प्रतिरूपि की मंजूरी देने वाला प्राधिकारी से है।
- (viii) “अनुमोदित अस्पताल” से तात्पर्य इन विनियमों की अनुसूची-2 में आने वाले अस्पताल तथा अनुसूची में शामिल करने के लिए समय-समय पर बोर्ड द्वारा निर्धारित उन अन्य अस्पताल तथा नसिंग होमों से है।
- (ix) “मरीज” से तात्पर्य पोर्ट ट्रस्ट बोर्ड के कर्मचारी, उसके पास परिवार सदस्य तथा विनियम-2 के तहत ट्रस्ट अस्पताल में हवाज करने वालों से है।
- (x) “ट्रस्ट का अस्पताल” से तात्पर्य मद्रास पोर्ट ट्रस्ट का मुख्य अस्पताल तथा विभिन्न स्थानों पर कार्यरत औषधालय जो मुख्य अस्पताल से जुड़े हुए हैं, से है।
- (xi) “कर्मचारी” से तात्पर्य पोर्ट ट्रस्ट के अस्थाई या स्थाई कर्मचारी से है।

(xii) “परिवार” से तात्पर्य पत्नी, पति, माता-पिता तथा गोद भिया हुआ बच्चा सहित वैध वृक्षे तथा बेरोजगार बेटे, अविवाहित तथा बेरोजगार बेटियाँ भी शामिल हैं, जो पूर्ण रूप से कर्मचारी पर निर्भर हैं, से हैं।

(xiii) इलाज से तात्पर्य है ट्रस्ट अस्पताल में तथा समय-समय पर बोर्ड द्वारा अनुमोदित अन्य अस्पतालों में उपलब्ध सभी प्रकार की चिकित्सा व संजिकल मुविधाओं से है तथा जिसमें निम्न-नियित शामिल हैः—

(ए) पेयोलोजिकल, बक्टीरियोलोजिकल, रेन्डियो-लोजिकल तथा अन्य तरीके आदि के लिए रोजगार जैसा कि ट्रस्ट चिकित्सा अधिकारी अपेक्षित समझे।

(बी) दवाएं, वैक्सिन्स, सेरा अथवा अन्य थेरो-पिटिक सबस्टेसेज आदि की आपूर्ति जैसा कि ट्रस्ट के चिकित्सा अधिकारी निर्धारित करें।

(सी) ट्रस्ट के चिकित्सा अधिकारी द्वारा अपेक्षित समझी जाने वाली नसिंग सेवाएं।

(डी) बनावटी अंग, शघक बनावटी उपकरण तथा उनका प्रतिस्थापन आदि की आपूर्ति।

(ई) चश्मों की आपूर्ति।

(एफ) रक्त-आधान तथा

(गी) छाविम-दन्तावली (नकली धात) तथा कृत्रिम श्रांख व पैर की आपूर्ति।

### 4. ट्रस्ट के अस्पताल में चिकित्सा हाजिरी

ट्रस्ट के बीमार कर्मचारी तथा/या उनके परिवार के सदस्य ट्रस्ट के अस्पताल या ट्रस्ट अस्पताल से जुड़े हुए औपधासय जहां उनके नाम पंजीकृत किए गए हैं, में मुफ्त इलाज के लिए रिपोर्ट कर सकते हैं। बीमारी की प्रकृति के अनुसार ट्रस्ट के चिकित्सा अधिकारी की इच्छानुसार अन्तरंग या बहिरंग रोगी की तरह इनका इलाज किया जाएगा। मरीज को देखने वाले ट्रस्ट के चिकित्सा अधिकारी विशेषज्ञ की राय हेतु या प्रमाणीकरण हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी की पूर्ण अनुमति से ट्रस्ट के खर्चे पर मरीज को किसी विशेषज्ञ के पास भेज सकते हैं। अगर मरीज याका करने में असमर्थ है तो विशेषज्ञ को बुलाया जाएगा, तथा इस पर होते वाला खर्च समय-समय पर बोर्ड द्वारा निर्धारित दर के अनुसार ट्रस्ट द्वारा वहन किया जाएगा। कर्मचारी तथा उनके परिवार के सदस्य जो ट्रस्ट के अस्पताल में या ट्रस्ट से संबंध औषधालयों में चिकित्सा सुविधा प्राप्त कर रहे हैं, उनको अनुसूची-2 में दिए गए अनुबंधों का पूर्ण रूप से अनुपालन करना होगा।

### 5. अन्तरंग रोगियों के लिए आवास तथा आहार

(ए) प्रत्यक मामले में बीमारी को प्रकृति को देखते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी या प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के निर्णयानुसार ट्रस्ट के अस्पताल में अन्तरंग-रोगी के रूप में भर्ती होने कर्मचारी या उनके परिवार के सदस्य को बोर्ड मुफ्त आवास दिया जाएगा। उपलब्धता के आधार पर वर्ग-1 व 2 के अधिकारी विशेष बोर्ड में भर्ती होने के पात्र हैं।

(बी) ट्रस्ट अस्पताल में अन्तरंग-रोगी के रूप में भर्ती हुए कर्मचारी तथा उनके परिवार के सदस्य को मुफ्त में आहार भी दिया जाएगा। बोर्ड के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी निजी-आहार परस के आवास सामान्यतया में अपने घर का भोजन या अस्पताल आहार के अतिरिक्त भोजन के लिए रोगी को अनुमति नहीं दी जाएगी। सिर्फ निजी-आहार पास वाले को ही ट्रस्ट अस्पताल में आहार लाने की अनुमति दी जाएगी। किसी भी समय जारी किया गया निजी-आहार पास भी वापस किया जा सकता है। निजी-आहार वाले मरीज को ट्रस्ट के अस्पताल में आहार नहीं दिया जाएगा तथा ऐसे मामले वाले के लिए कोई अस्पताल आहार नहीं देना चाहिए।

### 6. अस्पताल बच्चे की प्रतिपूर्ति

इन विनियमों के विनियम 4 व 5 के तहत किसी भी बात के होते हुए भी ट्रस्ट के मुख्य चिकित्सा अधिकारी की राय में जो कर्मचारी तथा/या उनके परिवार के सदस्य को पोर्ट ट्रस्ट द्वारा अनुमोदित अन्य अस्पताल में चिकित्सा की आवश्यकता की अपेक्षा हो तो इसके लिए वह अनुसूची-2 के तहत उन अनुमोदित अस्पतालों में इलाज लेने के लिए पात्र है। ट्रस्ट के चिकित्सा अधिकारी द्वारा चिकित्सा के लिए सिफारिश किए गए मामलों में आवास आहार महिल अस्पताल प्रभारी की सम्पूर्ण प्रतिपूर्ति की जाएगी।

### 7. अनुमोदित वर्गों के बाड़ों में भर्ती की पात्रता

इन विनियम की अनुसूची-2 में आने वाले अनुमोदित अस्पताल में इलाज के लिए भेजे गए कर्मचारी या उनके परिवार के सदस्य, संबंधित कर्मचारी के अपने मूल वंतन के आधार पर निर्धारित वर्ग के अनुसार उन अस्पताल के उचित बाड़ों में भर्ती होने के लिए पात्र हैं।

### टिप्पणी

(i) यदि पति-पत्नी दोनों ट्रस्ट के कर्मचारी हैं तो पति-पत्नी के अपने पद के अनुसार या पति/पत्नी के पद में जो उनके लिए लाभदायक है उसके अनुसार प्रतिपूर्ति के लिए पात्र होंगे तथा उनके बच्चे अपने माता-पिता द्वारा किए गए दावे के अनुसार अस्पताल प्रभार का प्रतिपूर्ति के लिए हकदार होंगे, बशर्ते कि संबंधित कर्मचारी द्वारा मह घोषणा पत्र देना होगा कि उपरोक्त चिकित्सा खर्च के लिए दूसरे किसी स्वाक्षर से कोई दावा नहीं किया गया है।

(ii) यदि सरकारी अस्पताल के अलावा अन्य अनुमोदित अस्पताल में इलाज कराया गया है तो उस अस्पताल द्वारा वसूल की गई वास्तविक दर में अस्पताल प्रभारों की प्रतिपूर्ति ग्राह्य होगी। बशर्ते कि ट्रस्ट का मुख्य चिकित्सा अधिकारी यह प्रमाणित करे कि मरीज द्वारा कराया गया इलाज तथा उसे अस्पताल में दिया गया स्थान आदि कर्मचारी के पद के अनुसार हैं।

(iii) यदि पात्रता वाले बाड़ से अलग बाड़ में इलाज कराया गया है तो वास्तविक प्रभारित दरें अथवा पात्रता वाले बाड़ के लिए ग्राह्य दरें जो भी कम हों अस्पताल प्रभारों की प्रतिपूर्ति के लिए ग्राह्य होंगी।

### 8. प्रतिपूर्ति के लिए शर्तें

(ए) ट्रस्ट द्वारा अन्य अस्पतालों को भेजे गए मामलों के संबंध में अस्पताल किराए की प्रतिपूर्ति

ट्रस्ट के मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा नीचे दी गई सूची के अनुमोदित अस्पताल (परिशिष्ट 2 में क्रम सं. 7 में 17 तक सूचित अस्पताल) या उपाध्यक्ष/अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित अन्य कोई निजी अस्पताल को भेजे गए मामलों के संबंध में आवश्यक बिन जो ट्रस्ट के मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रमाणित हो के आधार पर अस्पताल प्रभार संबंधित अस्पताल की बोर्ड द्वारा सीधे भुगतान किए जाएंगे:

- (i) सरकारी मानसिक रोगी अस्पताल, मद्रास
- (ii) महिलाएं तथा बच्चों के लिए गर्भमेंट कस्टरब्रा गांधी अस्पताल, मद्रास
- (iii) महिलाएं तथा बच्चों के लिए गर्भमेंट अस्पताल, मद्रास
- (iv) गर्भमेंट स्टेली अस्पताल, मद्रास
- (v) गर्भमेंट जनरल अस्पताल, मद्रास
- (vi) गर्भमेंट गोपायेट्रा अस्पताल, मद्रास
- (vii) गर्भमेंट कीलपाक मेडिकल कॉलेज अस्पताल, मद्रास
- (viii) गर्भमेंट ऑप्थालमिक अस्पताल, मद्रास
- (ix) गर्भमेंट राजा सर रामस्वामी मुदनियार लाइंग-इन-अस्पताल, मद्रास
- (x) अरिन्द्र अण्णा गर्भमेंट अस्पताल आफ इण्डियन-मेडिसिन्स, मद्रास
- (xi) गर्भमेंट डेटल कॉलेज अस्पताल, मद्रास

(बी) ऐसे मामले जैसे कर्मचारी और/या उनके परिवार का सदस्य खण्ड (ए.) में सूचीगत अस्पतालों के अलावा परिशिष्ट 2 में सूचीगत किसी भी अनुमोदित अस्पताल में अर्थात् ट्रस्ट का मुख्य चिकित्सा अधिकारी जिस अस्पताल में भेजता है उसमें उपचार पाता है तो ऐसे सभी मामलों में अस्पताल प्रभार संबंधित कर्मचारी को वापस किए जाएंगे बशर्ते कि प्रतिपूर्ति दावे को भंजूरीकरण को प्रस्तुत करने के

पहले ही संबंधित कर्मचारी ने अस्पताल को बैये राशि का संपूर्ण भुगतान कर दिया है। लेकिन ऐसे मामले जहाँ पर्स अनुमोदित अस्पताल में कर्मचारी द्वारा उपचार पाने समय उसकी मृत्यु हो जाती है और ऐसे अस्पताल उपरोक्त खण्ड (ए) के तहत न आने हो तो मुख्य चिकित्सा अधिकारी की सिफारिश के आधार पर और इन विनियमों के तहत आने वाली अन्य शर्तों के नहूत अस्पताल प्रभारों के खर्च के लिए अध्यक्ष अपने स्वविवेक का प्रयोग करते हुए अग्रिम के लिए मंजूरी दें।

#### टिप्पणी

“द्वितीय आख और दात कर्मचारी और उनके परिवार जनों को मुफ्त में दिए जाने हैं जिसके लिए उन्हें केवल सरकारी आख अस्पताल और सरकारी डेटल कालेज अस्पताल में भेजा जाता है और अगर वे अगती स्वेच्छा में ही बाहर किसी अन्य अस्पताल से उपचार पाने हैं तो उन्हें इन प्रभारों की प्रतिपूर्ति नहीं की जाती है।”

#### 9. अस्पताल प्रभारों के प्रतिपूर्ति दावों की मंजूरी की प्रक्रिया

(1) कर्मचारी उपचार पाने के बाद उपरोक्त विनियम 8(धी) के तहत आने वाले अस्पताल प्रभारों की प्रतिपूर्ति के दावों को संबंधित निर्धारित प्रपत्र में भर कर अपने विभागाध्यक्ष को 90 दिनों के भीतर प्रस्तुत करेगा। अगर उपचार की अवधि बढ़ने जाये तो दावों को अवस्था क्रम में प्रस्तुत करेगा जिसकी अवधि 30 दिनों में कम नहीं होनी चाहिए।

(2) निर्धारित समय सीमा के बाद प्रस्तुत किया जाने वाले दावों की अवधि का प्रत्येक मामले की गुणवत्ता के आधार पर संबंधित विभागाध्यक्ष द्वारा लूट दी जाएगी।

(3) जिस अनुमोदित अस्पताल में कर्मचारी या उनके परिवार जनों ने उपचार प्राप्त किया है वहाँ में वाऊचरों और प्रमाणपत्रों को प्राप्त कर निर्धारित प्रपत्र में दावों के साथ प्रस्तुत करना चाहिए:-

(i) रोगी का पूरा नाम सहित अस्पताल बिल और अगर उनका परिवार जन हो तो उनका नाम और संबंधित कर्मचारी का पूरा विवरण। विभिन्न प्रभारों के विस्तृत विवरण बिल में रहने चाहिए।

(ii) अगर बिल रसीद के रूप में न हो तो भुगतान की रसीद भी लगानी है।

(iii) अस्पताल में दाखिल होने और वहाँ से डिस्चार्ज करने का प्रमाणपत्र।

(4) कर्मचारियों से दावे प्राप्त करने के बाद विभागाध्यक्ष दावों की जांच करेंगे और इनके महीने होने का प्रमाण देंगे और दावों को अस्पताल बिल, वाऊचर और अन्य संलग्नों सहित द्रृष्ट के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को प्रेषित करेंगे।

(5) भुख्य चिकित्सा अधिकारी दावों के संबंधित भाग को यह प्रभारित करते हुए पूरा करेंगा कि रोगी को उनके द्वारा अनुमोदित अस्पताल में उपचार पाने के लिए भेजा गया था और इस ट्रस्ट के वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी को प्रेषित करेंगा। मर्कारी अस्पताल दरों के आधार पर दावे फार्म में मदवार प्रभारों की प्रतिपूर्ति के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी सिफारिश करेंगा और प्रतिपूर्ति को कुल राशि को भी दर्शयेगा।

(6) मुख्य चिकित्सा अधिकारी की सिफारिश के आधार पर, वित्त सलाहकार व मुख्य लेखा अधिकारी द्वावे फार्म में अपेक्षित आवश्यक प्रमाण पत्र देंगा और वाऊचरों/विलों के साथ दावे फार्म को मंजूरी के लिए अनुमोदन प्राधिकारी को प्रेषित करेंगा।

(7) अनुमोदन प्राधिकारी से मंजूरी आदेश प्राप्त होने के बाद वित्त सलाहकार व मुख्य लेखा अधिकारी संबंधित कर्मचारी को स्वीकृत राशि की प्रतिपूर्ति के लिए प्रबंध करेंगा।

#### 10. आपात मामले में इलाज

आपात मामले में इन विनियमों में किसी भी वात के अन्यथा होते हुए भी:-

(i) मुख्य चिकित्सा अधिकारी अध्यक्ष की मंजूरी के साथ मरीज को किसी भी अस्पताल (जो मद्रास नगर के अंदर या बाहर हो) भेज सकते हैं। जबकि वह अस्पताल “अनुमोदित अस्पताल की सूची (परिशिष्ट-II) में आए या न आए। ऐसे मामले में संबंधित कर्मचारी इन विनियमों के तहत अस्पताल प्रभारों की प्रतिपूर्ति के लिए पाव है, वशतें कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा यह प्रभारित करना होगा कि, कर्मचारी या उनके परिवार के सदस्य को मुख्य चिकित्सा अधिकारी में अनुमति निए बिना किसी अस्पताल में भर्ती किया गया है तो, मामले की मज्जाई को देखते हुए, अध्यक्ष अपने विवेकानुसार प्रतिपूर्ति की मंजूरी देंगे। अगर इन विनियम के तहत निर्धारित अनुमोदित अस्पताल (परिशिष्ट-II) में न आने वाले अस्पताल में इलाज कराया हो तो अनुमोदित अस्पताल में इलाज लेने पर जितना खर्च होता हो उस राशि की प्रतिपूर्ति की जाएगी।

(ii) अगर किसी आपात मामले में कर्मचारी या उनके परिवार के सदस्य को मुख्य चिकित्सा अधिकारी में अनुमति निए बिना किसी अस्पताल में भर्ती किया गया है तो, मामले की मज्जाई को देखते हुए, अध्यक्ष अपने विवेकानुसार प्रतिपूर्ति की मंजूरी देंगे। अगर इन विनियम के तहत निर्धारित अनुमोदित अस्पताल (परिशिष्ट-II) में न आने वाले अस्पताल में इलाज कराया हो तो अनुमोदित अस्पताल में इलाज लेने पर जितना खर्च होता हो उस राशि की प्रतिपूर्ति की जाएगी।

#### 11. फार्म तथा कार्यविधि

इन विनियमों के प्रयोजनार्थ फार्म तथा कार्यविधि आदि को समय-भमय अध्यक्ष द्वारा निर्धारित किया जाएगा।

## 12. व्याख्या

अगर इन विनियमों की व्याख्या के बारे में कोई प्रश्न उत्पन्न हुआ तो उसे बोर्ड को भेजा जाएगा तथा उस पर बोर्ड का निर्णय अंतिम होगा।

## 13. छूट देने के लिए अधिकार

इन विनियमों के किसी भी प्रावधान पर छूट देने का अधिकार बोर्ड को ही है।

## 14. निरसन तथा बचत

मौजूदा मद्रास पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी (बोर्ड के अस्पताल के चिकित्सा हाजिरी) योजना तथा मद्रास पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी (अस्पताल प्रभार की प्रतिपूर्ति) योजना, जो इन विनियम के लागू होने में पहले थी, को निरस्थ किया जाता है :

परंतु उपरोक्त निरस्त योजना के प्रावधानों के तहत कोई भी आदेश या ली गई कारेवाई या प्राप्त उदारताएँ हो तो इन विनियमों के सदृश प्रावधानों के तहत बनाई गई या ली गई या प्राप्त की गई मानी जाएगी।

## परिणाम I

अस्पताल प्रभार की प्रतिपूर्ति के प्रयोजनार्थ मंजूरीदाता प्रधिकारी

1. विभागाध्यक्ष के संबंध में अस्पताल प्रभार की प्रतिपूर्ति से संबंधित दावे।	}	2. विनियम 10 में आने वाले सभी कर्मचारियों के आपात मामले में अस्पताल प्रभार की प्रतिपूर्ति से संबंधित दावे
3. विभागाध्यक्षों को छोड़ कर वर्ग 1 से 4 तक के कर्मचारियों के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा भेजे गए मामले तथा सरकारी अस्पताल में विनियम 7(ii) इलाज करने पर होने वाले खर्च की सीमा से ज्यादा न हो तो ऐसे अस्पताल प्रभारों की प्राप्ति के लिए		4. विभागाध्यक्षों को छोड़ कर वर्ग 1 से 4 तक के कर्मचारियों के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा भेजे गए मामले तथा सरकारी अस्पताल वर तक सीमित अस्पताल प्रभारों की प्रतिपूर्ति के लिए

## परिणाम II

## अनुमोदित अस्पताल

- रेलवे तथा सेनिक अस्पतालों को छोड़कर अन्य स्थानीय प्राधिकारियों द्वारा सलाएँ जाने वाले अस्पताल सहित सभी सरकारी अस्पताल।

## 2. कैसर इंस्टीट्यूट, मद्रास।

3. सन्तोषम मेमोरियल ट्रियूबरकुलोसिस सेनटोरियम, ताम्बरम।

4. राजाजी ट्रियूबरकुलोसिस सेनटोरियम, तिलचिरापल्ली।

5. ट्रियूबरकुलोसिस अस्पताल, नागरकोविल।

6. क्रिस्टियन मेडिकल कॉलेज अस्पताल, वेल्स्ट्रो।

7. गवर्नर्मेंट मेन्टल अस्पताल, मद्रास।

8. महिलाओं तथा बच्चों के लिए गवर्नर्मेंट कल्याण गांधी अस्पताल, मद्रास।

9. महिलाओं तथा बच्चों के लिए गवर्नर्मेंट अस्पताल, मद्रास।

10. गवर्नर्मेंट स्टानली अस्पताल, मद्रास।

11. गवर्नर्मेंट जनरल अस्पताल, मद्रास।

12. गवर्नर्मेंट रॉयपेट्रो अस्पताल, मद्रास।

13. गवर्नर्मेंट कॉलपॉक मेडिकल कॉलेज अस्पताल, मद्रास।

14. गवर्नर्मेंट ग्राम्पतालिक अस्पताल, मद्रास।

15. गवर्नर्मेंट राजा सर रामस्थामी मुदलियार लाहौंग-इन-अस्पताल, मद्रास।

16. अरिग्रंथणा गवर्नर्मेंट अस्पताल आफ इण्डियन मेडिसिन्स, मद्रास।

17. गवर्नर्मेंट डेंटल अस्पताल, मद्रास।

## परिणाम III

मद्रास पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारी (ट्रस्ट के अस्पताल में चिकित्सा हाजिरी तथा अस्पताल प्रभार की प्रतिपूर्ति) विनियम, ट्रस्ट के जिन कर्मचारियों पर लागू हैं के लिए अनुदेश

(ए) कर्मचारियों को जारी किया गया चिकित्सा पालना कोई उनके इयूटी पर रहते समय तथा ट्रस्ट के अस्पताल में इलाज के लिए आते समय उनके पास रहना चाहिए। अगर इस कार्ड की मांग करने पर प्रसुत नहीं किया गया तो इलाज कराने से इनकार किया जा सकता है। समय शीट से संबंधित अनुदेशों का भी उन्हें पालन करना होगा।

(बी) ट्रस्ट के अस्पताल में उपचार के लिए उपस्थित होने वाले कर्मचारी अस्पताल से जाने के पूर्व चिकित्सा अधिकारी से पता करा लें कि क्या उन्हें घर जाना है या दफतर और पुनः किस तारीख को उन्हें टिपोट करनी है। इस मामले में ट्रस्ट के अस्पताल के अनुदेशों की गलतफहमी को अवश्यता या अन्य कारणों के आधार पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(सी) “आफ इयूटी” अनुदेश प्राप्त कर्मचारी पोर्ट प्रांगण से जाने के पूर्व अपन/संबंधित विभागाध्यक्ष को सूचना देने का प्रबंध करेंगे।

(डी) जब कमी कर्मचारी को रोगी सूची में रख दिया जाता है या चिकित्सा अधिकारी द्वारा आफ इयूटी को बढ़ा दिया जाता है तो प्रत्येक बार यह पता करा लेना चाहिए कि उसे कव तक "आफ इयूटी" पर रखा गया है और उस निवित दिनांक और समय पर ट्रस्ट के अस्पताल में रिपोर्ट करनी चाहिए। अगर कर्मचारी को "आफ इयूटी" को पुनः बढ़ाना है तो वह ट्रस्ट के चिकित्सा अधिकारी जो उसका उपचार कर रहे हैं उनके पास अपने "आफ इयूटी" के अन्तिम कार्य दिवस को रिपोर्ट करनी चाहिए। ऐसे कर्मचारी जिन्हें रोगी सूची में रख दिया हो और वह ट्रस्ट के अस्पताल को रिपोर्ट करने में सम्पूर्ण तरह असमर्थ हो तो उसे अपनी असमर्थता बताते हुए तथा अपना पता देते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को लिखित रूप में सूचित करने का प्रबंध करना चाहिए। जो कर्मचारी बाहरी अस्पताल में अंतरंग रोगी के रूप में भर्ती कर दिया गया हो तो उसे मुख्य चिकित्सा अधिकारी को अस्पताल का विवरण बाँध और विस्तर संभाया आदि विवरणों के माध्य लिखित रूप में सूचित करना चाहिए।

(ई) बाहरी अस्पताल के प्रभारी और अन्वलेंस प्रभारी की प्रतिपूर्ति के लिए चिकित्सा अधिकारी से आवश्यक मांग पत्र या प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना चाहिए।

(एफ) जिन कर्मचारियों को ये विनियम लागू हैं उन्हें अस्पताल के विभागीय कार्यालय आदेश और ट्रस्ट के चिकित्सा विनियमों का अनुपालन करना चाहिए। तदनुसार, अस्पताल विनियम और अस्पताल के तीर तरीका को कठोरता से पालन करना चाहिए। उन्हें अस्पताल प्रागण में किसी भी प्रकार की अड़चन नहीं करनी चाहिए और व्यवस्थाक्रम को बनाये रखना चाहिए। जगह को गंदा नहीं करना चाहिए और थूकने के प्रयोजन छेत्र बताये गए स्थानों पर ही थूकना चाहिए। उन्हें अस्पताल हाजिरी के विनियमों का कठोरता से पालन करना चाहिए। अस्पताल स्टाफ द्वारा बनाए जाने वाले अनुदेशों और रोगियों के लिए अस्पताल के सूचना पट्ट पर निर्देशित सूचनाओं का कठोरता से पालन करना चाहिए। इस मामले में उल्लंघन करने पर अनुशासनिक कार्रवाई ली जाएगी।

## 2. ट्रस्ट के प्रयोजनार्थ स्वीकार्य चिकित्सा प्रमाण पत्र

ट्रस्ट के प्रयोजनार्थ ट्रस्ट का चिकित्सा प्रमाण पत्र जैसा कि चिकित्सा प्रमाण पत्र निर्धारित है स्वीकार्य है और निम्नलिखित अनुच्छेद 4 में बताया गया प्रमाण पत्र विषेष परिस्थिति में स्वीकार किया जाएगा।

## 3. ट्रस्ट की चिकित्सा हाजिरी और उपचार

इसके अनुसार चिकित्सा अधिकारी द्वारा ट्रस्ट अस्पताल में जांच और उपचार किया जा सकता है और उनकी सिफारिश पर (ए) वेषोलोजिकल, बेकटीरियोलोजिकल, रेडियो लोजिकल या अन्य प्रकार की जांच और (बी) मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा बताए गए अस्पताल नियमों के अनुसार ट्रस्ट

द्वारा भड़ाउ भी गई दवाइयाँ, वेक्सिसें, सेरा, इंजेक्शन और अन्य थेरापेटिक पदार्थों की आपूर्ति। उपलब्ध मुविधाओं सहित ट्रस्ट अस्पताल में को जाने वाली ऐसी शल्य चिकित्साएं भी इसमें शामिल हैं। ट्रस्ट अस्पताल में बाह्य रोगी और अंतरंग रोगियों के लिए उपचार किया जाता है। अंतरंग रोगी उपचार अस्पताल नियमों की शर्तों पर होता है। इसमें आवामीय चिकित्सा सेवा शामिल नहीं है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी अपने स्वविकेकानुसार ट्रस्ट के खर्चें पर रोगी को बाहरी विषेषज्ञ के पास भेज सकता है। अगर कर्मचारी (रोगी) मध्यं किसी बाहरी चिकित्सा अधिकारी अस्पताल का हो या न हो में उपचार पाता है या परामर्श करता है तो इन विनियमों के तहत उसे चिकित्सा मुविधाएं ग्राह्य नहीं हैं।

## 4. बीमारी की वजह से इयूटी पर अनुपस्थित होने पर चिकित्सा प्रमाण पत्र

अगर कर्मचारी जिसका घर का पता दफ्तर के रिकार्ड के अनुभार मद्रास शहर में है और जब वह बीमारी के कारण अनुपस्थित हो जाता है तो चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रमाणित करना चाहिए। रोगी को अनुपस्थित के लिए जारी किया जाने वाला ट्रस्ट का चिकित्सा प्रमाण पत्र (भर्ती या निकित्सा प्रमाण पत्र को बढ़ाने) चिकित्सा स्तर पर छूटी लेने के लिए लागू होगा न कि इस आधार पर स्थान छोड़ कर बाहर जाने के लिए। इन प्रमाण पत्रों में सूचित अवधि रोगी वशर्त कि चिकित्सा अधिकारी जांच करके समयानुसार इसे घटा या बढ़ा सकता है। जिसके लिए कर्मचारी को अनुच्छेद 13 में बताया नुसार अनुदेशों का पालन करना चाहिए। कर्मचारी ट्रस्ट के उपचार के तहत हो या न हो यह लागू होगा।

(बी) अगर कर्मचारी मद्रास शहर से बाहर छुट्टी पर हो और बीमार पड़ जाए या सामान्यतः वह दफ्तर के रिकार्ड के अनुसार मद्रास शहर से उसका आवास बाहर हो और बीमारी के कारण अनुपस्थित हो जाता है और असमर्थता के कारण चिकित्सा अधिकारी को मध्यं रिपोर्ट नहीं कर पाता तो उसे पंजीकृत चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी किया गया चिकित्सा प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना चाहिए। जिसकी अवधि पांच दिन से अधिक नहीं होनी चाहिए और अगर छुट्टी पांच दिन में अधिक हो तो सरकारी चिकित्सा अधिकारी से प्राप्त प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना चाहिए। चिकित्सा प्रमाण पत्र में रफ्टवर बीमारी की प्रकृति और मस्भाव्य अवधि और जांच किए गए अध्यर्थी का पदनाम और चिन्ह सहित प्रमाणित करने वाले डॉक्टर के सामने प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करना चाहिए। अवधित कर्मचारी का उत्तर दायित्व है कि प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण पत्र में इस मामले के अनुदेश पूरे हैं या नहीं और जहां भी आवश्यक हो सरकारी चिकित्सा अधिकारी (उसके अस्पताल का पता देना है) द्वारा जांच के लिए अनुरोध करने के लिए छुट्टी मंजूरी दाता प्राधिकारी ने समय पर मांग करना चाहिए।

छुट्टी मंजूरी दाता प्राधिकारी अपने स्वविवेक से ऐसे प्रमाण पत्र छुट्टी के प्रयोगन के लिए स्वीकार कर सकता है बशर्ते कि जारी किए गए अनुदेशों का सम्पूर्णतः पालन किया गया हो।

(सी) “ए” वर्ग के पंजीकृत देशी चिकित्सा कर्ता द्वारा दिए गए प्रमाण पत्र भी ट्रस्ट द्वारा स्वीकार्य है बशर्ते कि मंजूरी, चिकित्सा आधार पर छुट्टी हो और इयूटी पर आने के लिए स्वास्थ्य प्रमाण पत्र भी चिकित्सा आधार पर हो।

#### 5. इयूटी पर आने के लिए ट्रस्ट का चिकित्सा प्रमाण पत्र

(ए) संक्रामक बीमारी और इयूटी पर चोट नगरों की बजह से 30 दिन की अवधि से ज्यादा इयूटी पर अनुपस्थित रहने के बाद इयूटी पर आने के लिए कर्मचारी को ट्रस्ट का यथोचित चिकित्सा प्रमाण पत्र देना चाही है। इसके लिए ट्रस्ट का चिकित्सा प्रमाण पत्र या बाहरी चिकित्सा प्रमाण पत्र या कोई चिकित्सा प्रमाण पत्र ही प्रस्तुत नहीं किया गया हो तो भी ये जरूरी है।

(बी) उपरोक्त से इतर अन्य बीमारियों के लिए कर्मचारी को आराम के लिए कहा गया है और उस अवधि के दौरान कर्मचारी इयूटी पर आना चाहता है तो इयूटी पर आने के पूर्व उसे फिटनेस प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। इसके अलावा कर्मचारी को किसी बीमारी की बजह से एक महीने से ज्यादा आराम के लिए कहा गया है तो उसे भी फिर प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना चाहिए।

(सी) परन्तु ट्रस्ट के चिकित्सा अधिकारी द्वारा निर्धारित अवधि के लिए आराम नेते के लिए किसी कर्मचारी से कहा गया हो तो उस अवधि के बाद इयूटी पर आने के लिए फिटनेस प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है।

#### 6. इयूटी आने के लिए चिकित्सा प्रमाण पत्र जारी करने हेतु चिकित्सा अधिकारी द्वारा जांच

उपरोक्त अनुच्छेद 4 के तहत बताये गए निर्देशों के अलावा जहाँ छुट्टी मंजूरी प्राधिकारी अपने स्वविवेक से बीमारी के कारण अनुपस्थिति के लिए बाहरी चिकित्सा प्रमाण पत्र स्वीकार करता है। परन्तु अन्य भागों में कोई कर्मचारी जो बीमारी की बजह से इयूटी पर नहीं आ सकता या जब तक कि वह संक्रामक रोग में ग्रस्त न हो तो यथा शोध इयूटी पर जाने के पहले अस्पताल समय सारणी के मूलाधिक मद्रास पोर्ट ट्रस्ट अस्पताल चिकित्सा अधिकारी को रिपोर्ट करेगा या स्वयं आने में सम्पूर्णतः असमर्थ हो तो पूर्ण पता के साथ मूल्य चिकित्सा अधिकारी को उसी विन के पूर्वाह्न सूचित करेगा। ऐसे भागों में एक चिकित्सा अधिकारी को कर्मचारी के घर जांच के लिए भेजा जाएगा। ताकि ट्रस्ट चिकित्सा प्रमाण पत्र या रिपोर्ट प्रस्तुत की जा सके बशर्ते कि निर्धारित दर पर भवारी भत्ता व्यून किया जाएगा। संक्रामक रोग में ग्रसित अर्थात् चेचक, माता, खसरा जैसे रोगों में पीड़ित रोगी मूल्य चिकित्सा अधिकारी

को सूचित करेगा। अगर कर्मचारी ट्रस्ट के उपचार में हो या न हो तो भी यह लाग जाएगा।

#### 7. प्रमूलि छुट्टी

महिला कर्मचारियों को ट्रस्ट के छुट्टी नियम के तहत ग्राह्य प्रसूति छुट्टी स्वीकार की जा सकती है बशर्ते कि चिकित्सा अधिकारी में प्राप्त प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें और मूल्य चिकित्सा अधिकारी को प्रमूलि/गर्भपान की नियम की सूचना दें।

ट्रस्ट की सभी महिला कर्मचारी जो 6 सप्ताह की गर्भवती हों को जांच वं अपने नाम के पंजीकरण के लिए ट्रस्ट अस्पताल के प्रसूति गृह में रिपोर्ट करनी चाहिए। बाद में केवल ऐसी महिला कर्मचारियों की प्रसूति छुट्टी पर विचार किया जाएगा जो गर्भपान/एम०टी०पी० के लिए प्राईवेट चिकित्सा प्रमाण पत्र प्रस्तुत करती हैं।

#### 8. अनाधिकृत छुट्टी और चिकित्सा प्रमाण-पत्र के बिना छुट्टी

जब तक कि अन्यथा ग्राह्य न हो कर्मचारी द्वारा चिकित्सा प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर देने पर ही छुट्टी के लिए अधिकृत नहीं हो जाता। इन विषयों में किसी भी बात के होने हुए भी मंजूरी प्राधिकारी अपने स्वविवेक पर बीमारी के कारण ली गई 3 दिन की छुट्टी के लिए प्रमाण पत्र की अपेक्षिताओं से छूट दे सकता है। ऐसी छुटियों को चिकित्सा प्रमाण पत्र पर छुट्टी के स्वरूप में स्वीकारा नहीं जाएगा और चिकित्सा में इतर अन्य छुटियों में धटाया जाएगा।

#### 9. मूल्य प्रमाण पत्र

चिकित्सा अधिकारी या बाहरी अस्पताल के प्राधिकारी या मूल्यनिपाल प्राधिकारी द्वारा हस्ताक्षर किए गए मूल्य प्रमाण पत्र स्वीकार किए जाएंगे। जब चिकित्सा अधिकारी स्वयं जांच कर लेता है तभी वह मूल्य प्रमाण पत्र जारी करेगा। बाहरी अस्पताल या मूल्यनिपाल प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए प्रमाण पत्र के साथ मृतक के कानूनी वारिय का घोषणा पत्र मंलम्बन किया जाना चाहिए।

#### 10. बीमारों के लिए परिवहन (एम्बुलेंस परिवहन) और प्रभार

**सामान्यतः** रोगी को अपने घर में अस्पताल तक आने के लिए भवारी के लिए लूट को प्रवंध करना चाहिए। फिर भी निम्नलिखित शर्तों पर ट्रस्ट के कर्मचारियों को अपना या अपने परिवार के सदस्यों को लाने के लिए उपयोग में लाए गए एम्बुलेंस के प्रभार की प्रतिपूर्ति की जाएगी।

(ए) अगर चिकित्सा अधिकारी ने कहा हो कि रोगी को केवल एम्बुलेंस द्वारा ही लाया जाए।

(बी) कथित चिकित्सा जांच के लिए मूल्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देशनमार अगर एम्बुलेंस का उपयोग मरीज को एम०पी०टी० अस्पताल लाने

के लिए, किसी भाषा हो या एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल ले जाने में उपयोग किया गया हो।

(मी) प्रदान सरकारी या स्थानीय निधि या मामार्जिक निवास घटना जैसे ऐ का क्षमता भीमाइटी आदि की एस्ट्रलेस उपयोग में लायी गयी हो तो।

(डी) अगर मद्रास शहर की गीमा के भीतर ही एस्ट्रलेस को उपयोग में लाया गया हो।

### 11. ट्रस्ट अस्पताल में चिकित्सा हाजिरी

(ए) ट्रस्ट अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले रोगियों को अपना चिकित्सा पहचान पत्र प्रस्तुत करना चाहिए जब तक चिकित्सा पहचान काढ़े प्रस्तुत नहीं किया जाना तब तक उपचार के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

(बी) मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा ट्रस्ट अस्पताल का कार्य समय निर्धारित किया जाएगा। रोगी, अस्पताल के समय सारणी के अनुसार उपचार के लिए उपस्थित होणा। अस्पताल के सूचना पट्ट पर इन अनुदेशों को लगाया जाएगा। कार्य के समय बीट लगाने पर या धारपत्र कामले सभी समय में बेचे जाएंगे। मामला धारपत्र है या नहीं इसका निर्णय सम्पूर्णतः चिकित्सा अधिकारी के निर्णय पर ही होगा।

(सी) रोगी, चिकित्सा अधिकारी को स्वयं नहीं चुन सकता। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा बनाए गए यथोचित चिकित्सा अधिकारी द्वारा ही उनकी जांच की जाएगी। पूर्व निश्चित समयानुसार ही रोगियों के भीमित परामर्श हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी और विशेषज्ञ उपलब्ध होंगे और इस प्रयोजन हेतु अस्पताल की कार्य निधि का कठोरता से पालन किया जाएगा। ऐसे मामले जिनके लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी और विशेषज्ञों के परामर्श की शावश्यकता पड़े तभी उनके पास परामर्श के लिए भेजना चाहिए। उपरोक्त को छोड़ कर कोई भी कर्मचारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी अथवा विशेषज्ञ के पास नहीं जा सकता।

(डी) अगर कर्मचारी हाजिरी लगाने के बाद उपचार हेतु अस्पताल जाना चाहता है तो उसे अपने विभाग के प्राधिकृत व्यक्ति से प्राप्त समय शीट को प्रस्तुत करना होगा जो केवल ट्रस्ट चिकित्सा मेंवा प्राप्त करने के लिए पात्र हो उन्हें ही जारी किया जाना चाहिए। अस्पताल निर्देशों के अनुसार समय शीट में रिपोर्ट करने का समय और अस्पताल में वापस आने का समय दर्ज करना चाहिए और इयूटी में भीमारी अनुपस्थिति के लिए जारी किए गए ट्रस्ट चिकित्सा प्रमाण पत्र को छोड़ कर अन्य मामले में कार्य स्थंखल पहुंचते ही इस टाइम शीट को अपने पर्यवेक्षक को प्रस्तुत करना चाहिए।

(ई) मरीज कर्मचारी का सम्पूर्ण शावित्र है कि वह समय शीट में दर्ज कर ले और आने विकित्सा अधिकारी से भुगतानित प्रकट कर ले कि उसे इयूटी से भीमारी अनु-  
273 GI/94-

प्रस्थिति के लिए हेतु का विकित्सा प्रमाण पत्र जारी नहीं दिया है। अगर उसे भीमारी अनुपस्थिति का प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया तो तुरन्त अपने विभाग को सूचित करना चाहिए।

(एफ) चिकित्सा अधिकारी द्वारा कहने पर ही अन्य किसी प्रतिनिधि को पुनः दर्शाई नेने के लिए अनुमति दी जाएगी अन्यथा मरीज को एवं अकार दर्शाई नेने के लिए रिपोर्ट करनी चाहिए। दर्शाई के लिए जाने वाली बीतावाँ व कलेसर्गी को साफ करके लाना चाहिए।

(जी) अस्पताल नियम अग्र अस्पताल नगीकों का कठोरता में पालन करना चाहिए। अस्पताल स्टाफ द्वारा बनाए गए तथा अस्पताल सूचना पट्ट पर दर्शाए गए अनुदेशों को कठोरता से पालन किया जाना चाहिए। इस मामले में अगर उल्लंघन किया जाता है तो अनुशासनिक कार्रवाई ली जाएगी। कर्मचारी के परिवार द्वारा की गई कोई गवर्ती या हाजिरी के लिए संबंधित कर्मचारी सम्पूर्ण उत्तरदायी होगा।

### 12. ट्रस्ट में भर्ती चिकित्सा प्रमाण पत्र जारी करने के बाद ट्रस्ट अस्पताल में नियमित हाजिरी

अगर किसी कर्मचारी को ट्रस्ट का भर्ती चिकित्सा प्रमाण पत्र जारी किया गया हो और सिफारिश की गई भीमारी की प्रगति की जांच हेतु मामले की समीक्षा करने तथा संबंधित अवधि की बढ़ाने के लिए भमयानुसार दिए गए अनुदेशों के अनुसार चिकित्सा अधिकारी को रिपोर्ट करना चाहिए और अगर सम्पूर्णतः किसी भी स्तर पर आने में असमर्थ हो तो उसे अपना पूरा पता बनाने हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी को तिवित रूप में सूचित करना चाहिए ऐसे मामलों में सिफारिश की गई भीमारी अनुपस्थिति की संभावित अवधि की समीक्षा के लिए चिकित्सा अधिकारी द्वारा कर्मचारी की जांच उसके घर पर की जाएगी। अगर कर्मचारी ट्रस्ट के अस्पताल के अन्यान्य अन्य कहीं से इलाज करा रहा है तब भी यह नागृहीय होगा।

### 13. मद्रास शहर में वाहरी अस्पतालों में भर्ती होने की सूचना के बारे में

अगर कोई कर्मचारी चिकित्सा अधिकारी की सिफारिश पर या आपातिक मामले में स्वयं मद्रास शहर के किसी वाह्य अस्पताल में भर्ती हो जाता है तो उसे ऐसी भर्ती के दो दिन के भीतर मुख्य चिकित्सा अधिकारी को सूचना भेजनी चाहिए जिसमें अस्पताल का नाम, बाड़ और बेड संख्या के विवरण होने चाहिए और अस्पताल द्वारा वहाँ से डिस्चार्ज होने के तुरंत बाद चाहे अस्पताल में लूटी की सिफारिश ही क्यों न की हो। पोर्ट के चिकित्सा अधिकारी को रिपोर्ट करनी चाहिए। अगर वाह्य रोगी के रूप में उपचार पाने हेतु सलाह दी गयी हो तो संबंधित कर्मचारी स्वयं वाह्य रोगी डिस्पतरी चिकित्सा अधिकारी के पास बिना विलम्ब के

रिपोर्ट करेगा और अगली हाजिरी से संबंधित उनके अनुदेशों का पालन करेगा।

14. ट्रस्ट के भर्ती चिकित्सा प्रमाण पत्र जारी करने के बाद नैन-मेडीकल आधार पर कार्यस्थल स्टेशन से बाहर जाने के लिए प्रक्रिया

जब कर्मचारी को ट्रस्ट का भर्ती चिकित्सा प्रमाण पत्र जारी कर दिया जाता है और वह किसी कारण वश नैन-मेडीकल के आधार पर कार्यस्थल स्टेशन छोड़ना चाहता है तो उसे उचित कारण बताते हुए अनुमति के लिए अपने विभागाध्यक्ष से अनुरोध करना चाहिए। नियोक्ता विभागाध्यक्ष प्रत्येक मासमें मेरिट के आधार पर अपने स्विवेक से अनुमति प्रशान्त करेगा। ऐसी दी गई अनुमति सभु अवधि के लिए होगी अर्थात् ट्रस्ट चिकित्सा प्रमाण पत्र में लिखा गया “ऑफ ड्यूटी” तक होगी और अनुमति की गई अवधि की समाप्ति के बाद कर्मचारी को चिकित्सा अधिकारी के पास रिपोर्ट करनी ज़रूरी है। कर्मचारी—मरीज को यात्रा करने के क्षमता के बारे में चिकित्सा अधिकारी से परामर्श करने का दायित्व कर्मचारी का है।

15. ऑख आपरेशन या ऑख रोग की शिकायत के बारे में सूचना प्रस्तुत करना

कोई कर्मचारी जो ऑख दर्द या ऑख आपरेशन करवाता है और यह ट्रस्ट चिकित्सा के तहत न आता हो तो उसे तुरन्त अपने पर्यवेक्षक के जरिये अपने विभागाध्यक्ष को लिखित रूप में सूचित करना चाहिए जो अपने कर्मचारी को ट्रस्ट अस्पताल में रिपोर्ट करने के लिए भेजेगा और ऐसे कर्मचारी को ट्रस्ट अस्पताल द्वारा जारी की गई यथोचित रिपोर्ट के बिना काम पर नहीं लेना चाहिए।

16. विशेष बीमारियाँ : (ए) यौन रोग और पामा

कर्मचारी जो यौन रोग या पामा (स्केबीस) रोग से शीड़ित है उसे वेतन से वंचित नहीं किया जाएगा। जब तक कि ग्राह्यता याहूः न हो और इस रोग के पहा लगने के तीन दिन के भीतर चिकित्सा अधिकारी को रिपोर्ट कर देने से वेतन ग्राह्य होगा वशते कि की गई सिफारिश के अनुसार ठीक प्रकार से उपचार पाता हो। इन होनों प्रावधानों के अनुपालन में चूक करने वाले मामलों में यही प्रमाण पत्र दिया जाएगा कि रोगी की अपनी असावधानी के कारण यह रोग हुआ है और या उसकी असावधानी के कारण यह रोग बढ़ता जा रहा है और इस वजह से उसे वेतन हानि छुट्टी दी जाएगी या संबंधित कर्मचारी पर अन्य कोई उचित कार्रवाई ली जाएगी।

(बी) क्षयरोग और कुष्ठरोग (जो बहुत पुराना रोग हो और जिसके लिए लम्बे काल तक उपचार की आवश्यकता हो) से पीड़ित कर्मचारी के लिए चिकित्सा आधार पर लम्बी छुट्टी के लिए केवल तभी विचार किया जाएगा जब कि काम के लिए चिरकाल तक क्षमता-हीन हों तो सेवा से डिस्चार्ज कर दिया जाएगा वशते कि बीमार कर्मचारी ट्रस्ट चिकित्सा हाजिरी विनियम के तहत आता हो। जब कर्मचारी जो क्षयरोग या कुष्ठरोग से पीड़ित

हो और ट्रस्ट चिकित्सा हाजिरी विनियम के पालन करने में चूक करता हो और/या चिकित्सा अधिकारी के अनुदेशों का पालन न करे तो चिकित्सा अधिकारी, ट्रस्ट के चिकित्सा प्रमाण पत्र में इस आशय की टिप्पणी या पूछांकन जारी करेगा कि “कर्मचारी ने चिकित्सा अधिकारी के अनुदेशों/ट्रस्ट चिकित्सा हाजिरी विनियम का पूर्णतः पालन नहीं किया है” और कर्मचारी की छुट्टी के लिए या सेवा में अवैधति के बारे में विभाग उचित कार्रवाई लेगा। विभाग द्वारा ऐसे कर्मचारी को सूचना ज्ञापन भेजा जाएगा।

## MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 1st February, 1994

G.S.R. 51(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 124, read with sub-section (i) of Section 132 of the Major Ports Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Madras Port Trust Employee's (Medical Attendance in the Trust's Hospital and Reimbursement of Hospital charges) Regulations, 1994 made by the Board of Trustees for the Port of Madras and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

[No. PR-12016/13/93-PE.I]

ASHOKE JOSHI, Lt Secy.

### MADRAS PORT TRUST

#### MADRAS PORT TRUST EMPLOYEES' (MEDICAL ATTENDANCE IN THE TRUST'S HOSPITAL AND REIMBURSEMENT OF HOSPITAL CHARGES) REGULATIONS, 1994

In exercise of the powers conferred under Section 28 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Madras Port Trust Board hereby makes the following regulations in replacement of the Madras Port Trust Employees' (Medical Attendance in Board's Hospital) Scheme and Madras Port Trust Employees' (Reimbursement of Hospital Charges) Scheme.

1. SHORT TITLE : These regulations may be called the Madras Port Trust Employees' (Medical Attendance in the Trust's Hospital and Reimbursement of Hospital Charges) Regulations, 1994.

2. ELIGIBILITY : (1) These regulations shall apply to all the employees borne on the Schedule of Employees of the Board.

(2) In the case of Apprentices recruited under various Apprentice Schemes, they are eligible for free medical attendance in the Trust's Hospital as per the provisions of Sub-Regulations (4) and (5) of this Regulation.

(3) In the case of those on deputation to the Madras Port Trust from State/Central Governments or any other Ports/Public Sector Undertakings, such incumbents are eligible for free medical attendance in the Trust's Hospital provided they are eligible for free medical treatment in their parent departments, subject to the provisions of the terms of deputation.

(4) The Apprentices and deputationists referred to in Sub-Regulations (2) and (3) above are not eligible for any reimbursement of hospital charge for themselves under these regulations and their family members also are not entitled for free medical attendance in the Trust's Hospital and reimbursement of hospital charges under these regulations.

(5) In the case of employees of the Trust deputed to other establishments such as State/Central Governments/other Major Ports/Public Sector Undertakings, such incumbents are eligible for medical attendance in the Trust's Hospital subject to recovery of medical charges from the borrowing organisations at the rates fixed from time to time and also subject to the deputation terms and conditions.

(6) Medical attendance in the Trust's Hospital may be extended to any other individual or organisation at the discretion of the Board subject to the provisions of these regulations.

**NOTES :** (i) This includes extension of free medical treatment to the CISF personnel posted at the Madras Port Trust and the workers of the Madras Port Trust Industrial Employees' Co-operative Canteen and their family members.

(ii) The Employees' of the MDLB and their family members are provided medical treatment in the Trust's Hospital on payment of the prescribed charges.

(7) Medical attendance in the Trust's Hospital may be availed of by the employees referred to in Sub-regulation (1) above for themselves and also in respect of the eligible members of their families, subject to the following conditions:

- (i) The wife/husband of an employee must be wholly dependent on the employee and reside with the employee.
- (ii) Where the wife/husband is gainfully employed outside the Port Trust and not wholly dependent on the employee, she/he will be covered by the term "family" only if she/he is not in receipt of free medical service in her/his employment. However, where husband/wife is gainfully employed outside the Port Trust and where such medical facilities are available, they would be entitled to choose either the facilities under the Madras Port Trust or the facilities provided by the organisation in which he/she is employed. For this purpose, they should furnish to their respective authorities a joint declaration in the form specified as to who will prefer the claim for reimbursement of medical expenses incurred in respect of husband/wife and his/her eligible dependents. The above declaration should be submitted in duplicate and a copy of each shall be recorded in the personal file of each of their respective offices. This declaration shall remain in force till such time it is revised on the express request in writing by both the husband and wife. The above procedure will also be adopted in cases where both husband and wife are employed in Madras Port Trust.
- (iii) Only such parents who normally resides with the employees and whose recurring income does not exceed Rs. 500/- p.m. or such limit as may be prescribed by the Board from time to time will be regarded as wholly dependent on the employees.
- (iv) For the purpose of reckoning income of the dependent parents, the pension originally sanctioned alone should be taken into account for determining the entitlement of medical benefits under these regulations and not the pension after commutation.
- (v) Sons and unmarried daughters who are employed other-wise than on part-time basis will be regarded as gainfully employed irrespective of their income and age and will not be construed as 'wholly Dependent' on the employee.
- (vi) In the case of parents who are retired employees of the Trust and whose sons/daughters are employed in the Trust, such retired employees can avail the medical facility under these regulations subject to the provisions under sub-clause (iii) above provided they have not opted for medical facility under the Madras Port Trust Employees' 'Contributory Outdoor and Indoor Medical Benefit after retirement) Regulations, 1989.

#### NOTES :

- (i) Every employee shall obtain from the head his/her department, the Personal Medical Identity Card and Family Medical Identity Card issued by the Trust's Chief Medical Officer duly furnishing the particulars of family members of his/her family.
- (ii) Failure to produce the Personal Medical Identity Card/Family Medical Identity Card at the time of reporting for treatment will make the employee/members of his/her family concerned ineligible for treatment in the Trust's Hospital/Dispensaries under these regulations.

3. Definitions: In these regulations unless the context otherwise requires :-

- (i) 'Act' means the Major Port Trusts Act, 1963.
- (ii) 'Board' means the Board of Trustees of the Port of Madras as constituted under the Major Port Trusts Act, 1963 as amended from time to time.
- (iii) 'Chairman', 'Deputy Chairman' and 'Heads of Departments' shall have the meanings assigned to them respectively in the Major Port Trusts Act, 1963.
- (iv) 'Chief Medical Officer' means the Chief Medical Officer of the Port Trust Board and Head of the Medical Department.
- (v) 'Financial Adviser and Chief Accounts Officer' means the Financial Adviser and Chief Accounts Officer of the Port Trust Board and Head of the Accounts Department.
- (vi) 'Medical Officer' means the Doctor in Employment in the Medical Department of the Madras Port Trust Board including Medical Officer (Selection Grade), Resident Medical Officer, Chief Physician, Chief Surgeon, Deputy Chief Medical Officer and Chief Medical Officer.
- (vii) 'Sanctioning Authority' means the authority empowered to sanction reimbursement of hospital charges as prescribed in the Appendix I to these regulations.
- (viii) 'Approved Hospital' means the hospital listed in the Appendix II of these regulations and any other hospitals and Nursing Homes as may be prescribed by the Board from time to time for inclusion in the Appendix.
- (ix) 'Patient' means the employee of the Port Trust Board, his eligible family members and those covered under Regulation 2 taking treatment in the Trust's Hospital.
- (x) 'Trust's Hospital' means the Madras Port Trust Main Hospital and the Dispensaries attached to the Main Hospital functioning at different places.
- (xi) 'Employee' means temporary or permanent employee of the Port Trust Board.
- (xii) 'Family' means the wife, husband, parents and legitimate children including adopted children of an employee wholly dependent on the employee and will include unemployed sons, unmarried and unemployed daughters.
- (xiii) 'Treatment' means the use of all medical and surgical facilities available in the Trust's Hospital as well as in other hospitals as approved by the Board from time to time and includes—
  - (a) the employment of such pathological, bacteriological, radiological and other methods as are considered necessary by the Trust's Medical Officers;
  - (b) the supply of such medicines, vaccines, sera or other therapeutic substances as may be prescribed by the Trust's Medical Officers;

- (c) such nursing as considered necessary by the Trust's Medical Officers.
- (d) supply of artificial limbs, corrective artificial appliances and their replacements;
- (e) supply of spectacles;
- (f) blood transfusion and
- (g) supply of denture and artificial eye and limb.

**4. Medical Attendance in Trust's Hospital :** Such of those employees and/or their family members who are ailing may report to the Medical Officer at the Trust's Hospital or any one of the dispensaries attached to the Trust's Hospital where their names have been registered for treatment free of cost. Patients will be allowed treatment either as inpatient or outpatient as the Trust's Medical Officer may consider necessary according to the nature of the illness. The Trust's Medical Officer attending upon the patient may refer the patient to a specialist for his opinion or certification at the Trust's expenses with the prior approval of the Chief Medical Officer or if the patient is too ill to travel the Medical Officer may invite the specialist to attend upon the patient and the expenditure thereto will be borne by the Trust at the rates prescribed by the Board from time to time. The employees and their family members who avail medical facilities in the Trust's Hospital and the attached dispensaries should strictly adhere to the instructions as contained in the Appendix III.

**5. Accommodation and Diet for in-patients :** (a) The employees or their family members who have been admitted in the Trust's Hospital as in-patient will be provided free accommodation in the wards of the hospital as the Chief Medical Officer or the Medical Officer in-charge may decide in each case depending upon the nature of ailment/disease. Classes I and II Officers are eligible for admission in special wards subject to availability.

(b) Free diet will also be provided to the employees and their family members who are admitted as in-patients in the Trust's Hospital. The patients will not normally be permitted to get their own diet in the place of or in addition to hospital diet except when a self-diet pass is issued by the ward-in-charge Medical Officer. Only on the authority of a self-diet pass, food will be permitted into the Trust's Hospital. Self-diet pass issued may also be withdrawn at any time. Patients on half-diet will not be given any diet from the Trust's Hospital and no Hospital diet must be drawn for such cases.

**6. Reimbursement of Hospital charges :** Notwithstanding anything contained in the Regulations 4 and 5 of these regulations, the employees and/or of their family members who in the opinion of the Trust's Chief Medical Officer require treatment in any of the hospitals approved by the Port Trust in this behalf vide Appendix II are eligible to take treatment in such approved hospitals. Hospital charges including diet and accommodation will be reimbursed in full in such cases where treatment is recommended by the Trust's Medical Officer.

**7. Eligibility for admission in approved classes of wards:** The employees or their family members who are referred for treatment in any of the approved hospitals listed in Appendix II under these regulations are eligible to be admitted in the appropriate class of wards in that hospital based on the basic pay of such employees.

#### NOTES :

- (i) In case both the husband and wife are employees of the Trust, the wife/husband will be eligible for reimbursement of hospital charges according to her/his own status or according to the status of her/his husband/his wife whichever is more favourable to her/him and the children will be eligible according to the status of either of their parents preferring the claim for reimbursement of hospital charges, subject to a declaration to be furnished by the concerned employee that no claim is being made for reimbursement of the above medical expenses from any other source.

(ii) For treatment undergone in an approved hospital other than a Government hospital, reimbursement of hospital charges will be admissible at the actual rates charged by the hospital, if the Trust's Chief Medical Officer certifies that the class of accommodation and treatment availed of by the patient are appropriate to the status of the employee.

(iii) For treatment undergone other than in an eligible class or ward, reimbursement of hospital charges will be admissible at the actual rates charged or at the rate admissible for the eligible class of ward, whichever is lower.

**8. Conditions for Reimbursement :** (a) Reimbursement of Hospital charges in respect of cases referred to by the Trust. The hospital charges in respect of cases referred to by the Trust's Chief Medical Officer to any of the approved hospitals listed below (hospitals indicated at S. No. 7 to 17 of Appendix II) or any other private hospitals with the sanction of Deputy Chairman/Chairman shall be paid by the Board direct to the concerned hospitals on receipt of necessary bill, duly certified by the Trust's Chief Medical Officer :—

- (i) Government Mental Hospital, Madras.
- (ii) Government Kasturba Gandhi Hospital for Women and Children, Madras.
- (iii) Government Hospital for Women and Children, Madras.
- (iv) Government Stanley Hospital, Madras.
- (v) Government General Hospital, Madras.
- (vi) Government Royapettah Hospital, Madras.
- (vii) Government Kilpauk Medical College Hospital, Madras.
- (viii) Government Ophthalmic Hospital, Madras.
- (ix) Government Raja Sir Ramaswamy Mudaliar's Lying-in-Hospital, Madras.
- (x) Arignar Anna Government Hospital of Indian Medicines, Madras.
- (xi) Government Dental College Hospital, Madras.

(b) In cases where the employees and/or their family members undergo treatment in any of the approved hospitals listed in Appendix II other than those mentioned in Clause (a) above to which a reference was made by the Trust's Chief Medical Officer, the hospital charges in respect of all such cases shall be reimbursable to the employee concerned provided the entire amount due to the Hospital is paid by the employee concerned before a claim for reimbursement is submitted to the sanctioning authority. However, in case of death of an employee while under treatment in such an approved hospital, which is not covered under clause (a) above, the chairman may at his discretion sanction an advance to meet the hospital charges based on the recommendations of the Chief Medical Officer and also subject to fulfilment of other conditions laid down under these regulations.

**Note :** "Artificial eye and denture are provided to the employees and their family members free of charge for which they will only be referred to the Government Ophthalmic Hospital and Government Dental College Hospital and no reimbursement is allowed for such cases if they avail these facilities from outside on their own."

**9. Procedure for sanctioning claims for Reimbursement of Hospital charges :** (1) Claims for reimbursement of hospital charges covered under Regulation 8(b) above shall be submitted by the employee concerned in the prescribed form to the Head of the Department concerned within 90 days from the date of completion of treatment, in case the treatment is prolonged and continued, claims may be submitted in stages for a period of not less than 3 days.

(2) Delay in submission of the claim beyond the prescribed time limit may be condoned by the respective Head of the Department on merits of each case.

(3) The following vouchers and certificates from the approved hospitals in which the employees or their family members have undergone treatment should be submitted by the employee concerned along with the claim in the prescribed form :—

- Hospital bill with full name of the patient and if a family member, name and full particulars of the employee concerned. The details of various charges billed should also be given.
- Receipt for payment made, if the bill itself is not a receipt.
- Admission and discharge certificates.

(4) On receipt of the claim from the employee, the Head of the Department concerned will scrutinise and certify the correctness of the claim and forward the claim direct to the Trust's Chief Medical Officer together with hospital bills, vouchers and other enclosures.

(5) The Chief Medical Officer will complete the relevant portion of the claim certifying that the patient was referred to by the Chief Medical Officer to the approved hospital and forward it to the Trust's Financial Adviser and Chief Accounts Officer. The Trust's Chief Medical Officer will also indicate in the claim form itemwise charges recommended to be reimbursed, based on the Government Hospital Rates and furnish the total amount to be reimbursed.

(6) The Financial Adviser and Chief Accounts Officer will furnish necessary certificate as required in the claim form based on the Chief Medical Officer's recommendations and forward the claim form to the sanctioning authority for sanction together with vouchers/bills produced.

(7) On receipt of the sanction order from the sanctioning authority, the Financial Adviser and Chief Accounts Officer will arrange for reimbursement of the sanctioned amount to the respective employees.

**10. Treatment of Emergency cases :** Notwithstanding anything contained in these regulations, in cases of emergency—

- The Chief Medical Officer may refer cases, with the sanction of the Chairman to any hospital (within the City of Madras or outside) whether such hospital has been included in the list of 'approved hospitals' (Appendix II) or not. In such cases the employee concerned is eligible for reimbursement of hospital charges under these regulations subject to the Chief Medical Officer certifying that the accommodation, diet, treatment and other medical facilities availed of by the employee or his family members were necessary.
- Where due to emergency, an employee or member of his family has to be admitted in a hospital without a reference from the Chief Medical Officer, the Chairman at his discretion may sanction the reimbursement of the hospital charges if he is satisfied about the genuineness of the case. If the hospital where such treatment is undergone is not in the list of approved hospitals (Appendix II) prescribed under these regulations, the reimbursement will be limited to the expenditure that would have been incurred had the treatment been taken in an approved hospital.

**11. Forms and procedures :** The forms and procedures etc. for the purpose of these regulations shall be as prescribed by the Chairman from time to time.

**12. Interpretation :** If any question arises as to the interpretation of these regulations, it shall be referred to the Board whose decision thereon shall be final.

**13. Power to relax :** The power to relax any of the provisions of these regulations shall rest with the Board.

**14. Repeal and saving :** On commencement of these regulations, the existing Madras Port Trust Employees' (Medical Attendance in Board's Hospital) Scheme and Madras Port Trust Employees' (Reimbursement of Hospital charges)

Scheme which were in force prior to the commencement of these regulations are hereby repealed.

Provided that any order made or action taken or liberalisation availed of under the provisions of the said schemes so repealed shall be deemed to have been made or taken or availed of under the corresponding provisions of these regulations.

#### APPENDIX-I

##### SANCTIONING AUTHORITY FOR THE PURPOSE OF REIMBURSEMENT OF HOSPITAL CHARGES

- Claims relating to reimbursement of Hospital Charges in respect of Heads of Departments, Chairman.
- Claims relating to reimbursement of Hospital Charges in Emergent cases in respect of all employees referred to in Regulation 10, Chairman.
- Classes I to IV employees excluding Heads of Departments.

Cases referred to by the Chief Medical Officer and reimbursement of Hospital Charges not restricted to expenditure that would have been incurred had the treatment been taken in the Government Hospital (Regulation 7(ii)) Deputy Chairman.

- Classes I to IV employees excluding Heads of Departments.

Cases referred to by the Chief Medical Officer and the reimbursement of Hospital charges restricted to Government Hospital rates Head of Department concerned.

#### APPENDIX-II

##### APPROVED HOSPITAL

- All Government Hospitals including those run by local authorities but excluding Railway and Military Hospitals.
- Catricker Institute, Madras.
- Santhosham Memorial Tuberculosis Sanatorium, Tambaram.
- Rajaji Tuberculosis Sanatorium, Tiruchirappalli.
- Tuberculosis Hospital, Nagercoil
- Christian Medical College Hospital, Vellore.
- Government Mental Hospital, Madras.
- Government Kasturba Gandhi Hospital for Women and Children, Madras.
- Government Hospital for Women and Children, Madras.
- Government Stanley Hospital, Madras.
- Government General Hospital, Madras.
- Government Royapettah Hospital, Madras.
- Government Kilpauk Medical College Hospital, Madras.
- Government Ophthalmic Hospital, Madras.
- Government Raia Sir Ramaswamy Mudaliar's Lying-in-Hospital, Madras.
- Arignar Anna Government Hospital of Indian Medicine, Madras.
- Government Dental Hospital, Madras.

## APPENDIX-III

**INSTRUCTIONS TO THE EMPLOYEES OF THE TRUST TO WHOM THE MADRAS PORT TRUST EMPLOYERS' (MEDICAL ATTENDANCE IN TRUSTS HOSPITAL AND REIMBURSEMENT OF HOSPITAL CHARGES) REGULATIONS APPLY.**

1. (a) The Medical Eligibility Cards issued to the employees should be in their possession during duty hours and when reporting to the Trust's Hospital for Treatment. It this Card is not produced when demanded treatment may be denied. They should also follow the instructions regarding production of 'Time Sheet'.

(b) Employees reporting to the Trust's Hospital for treatment should before leaving the Trust's Hospital, ascertain from the Medical Officer and make sure whether to go back for work or to go home, and also the date when they must report next. No misunderstanding of the instructions of the Trust's Hospital in this regard will be accepted on grounds of ignorance or otherwise.

(c) The employees who have been instructed to keep 'off' duty should, before leaving the Harbour premises, arrange to intimate the same to the departmental head concerned.

(d) The employees whenever they are placed on the sick list or given an extension of 'OFF' duty by the Medical officer should, on each occasion ascertain the period for which they have been placed 'off' duty and also report to Trust's Hospital at the time and date as directed. They should report to the Medical Officer attending them at the Trust's Hospital on the last working day before their 'off' duty period terminates, if their condition requires a further extension of 'off' duty. In the case of those placed on the sick list and totally incapacitated from reporting to the Trust's Hospital, the employee should arrange to send written intimation to the Chief Medical Officer of such incapacity, furnishing his residential address. Those admitted as inpatients in outside hospital should intimate to the Chief Medical Officer in writing particulars of the Hospital, ward and bed number concerned.

(e) For reimbursement of outside Hospital charges and ambulance charges, a requisition or certificate is necessary from the Medical Officer.

(f) Employees to whom these regulations apply are bound by **departmental office orders of the Hospital and the Trust's Medical Regulations**. Accordingly, Hospital Regulations and Hospital manners must be strictly observed. They should not cause any disturbance in the Hospital premises and should maintain orderliness. They should not dirty the place and should spit only in the place provided for the purpose. They must strictly observe the rules and regulations of Hospital attendance. Instruction conveyed by the Hospital staff and put up in the Hospital Notice Boards for patients must be strictly followed. Disciplinary action will be taken for any breach committed in this regard.

2. Medical Certificate Acceptable for Purposes of the Trust.—Only Trust's Medical Certificate will be accepted as the prescribed Medical Certificate for purposes of the Trust, except where otherwise specifically provided for under Paragraph 4 below.

3. Trust's Medical Attendance and Treatment.—This provides for examination and treatment in Trust's Hospital by the Medical Officer and on his recommendation, (a) Pathological, Bacteriological, Radiological or any other method of examination and (b) supply of such medicines, vaccines, sera, injections and other therapeutic substances as are stocked by the Trust's Hospital according to the rules of the Hospital as laid down by the Chief Medical Officer. It includes, in surgical cases, such operations as can be undertaken in the Trust's Hospital with the facilities provided. Outpatient and In-patient treatment are provided in the Trust's Hospital. The In-patient treatment is subject to the rules of the Hospital. This does not include domiciliary medical service. The Chief Medical Officer may, at his discretion, refer a patient to an outside specialist at Trust's expense. The medical facility under these Regulations will

not be admissible when a patient, on his/her own, consults or is under the medical care and treatment of an outside medical officer, whether attached to a Hospital or not.

4. Medical Certificate when absence from duty on grounds of illness.—(a) An employee whose residential address, according to office records, is in the City of Madras, when absent from duty on grounds of illness, must be certified by the Medical Officer. Issue of Trust's Medical Certificate for sick absence (Admission or Extension Medical Certificate) shall be tantamount to application for leave on medical grounds but shall not be held to carry with it, permission to quit the station. The expression 'a probable' period of ..... days, in these certificates indicates provisional period of sick absence which is subject to be cut short or extended as warranted by examination of the employee by the Medical Officer from time to time, for which purpose the employee should follow the instructions in paragraph 12 below. This will apply whether or not an employee is under Trust's treatment.

(b) An employee who falls sick when on leave outside the City of Madras or who normally resides outside the City of Madras, according to office records, when absent from duty on grounds of illness and is totally incapacitated from reporting in person to the Medical Officer must produce a Medical Certificate from a Registered Medical Practitioner, if the period of leave does not exceed 5 days, or from a Government Medical Officer if the period of leave exceeds 5 days. The Medical Certificate should define as clearly as possible, the nature and probable duration of the illness and particulars of the designation and identification of the candidate examined who should sign the certificate in the presence of the certifying doctor. It is the responsibility of the employee concerned, to see that the certificate produced conforms to the instructions in this regard, and wherever necessary, apply in time to the leave sanctioning authority for a requisition for examination by the Government Medical Officer furnishing the Hospital address of the Medical Officer. The leave sanctioning authority may at its discretion accept such certificate for purpose of leave provided the instructions issue are fully complied with.

(c) The Medical Certificates given by the Practitioners of indigenous medicine registered in 'A' Class will also be the Trust subject to the conditions for the grant of leave on medical grounds and for fitness to return to duty from leave on medical grounds.

5. Trust's Medical Certificate to Resume Duty.—(a) Appropriate Trust's Medical Certificate is necessary for an employee to resume duty after absence from duty on grounds of illness extending to a period exceeding 30 days, due to infectious disease and employment injury. This is necessary whether Trust's Medical Certificate or outside Medical Certificate is produced, or even when no Medical Certificate is produced.

(b) In respect of illness other than the above in the event of any employee desiring to join duty during the period he/she was advised to take rest a fitness certificate should be produced by such employee before resumption to duty. Further in the event of any employee being advised to take rest for more than a month, in respect of any sickness, the fit certificate should be produced.

(c) However, no such fitness certificate is required in the event of an employee who has been recommended to take rest for a particular period by the Trust's Chief Medical Officer, resuming duty after the expiry of the period of rest.

6. Examination for Certification by the Medical Officer.—Except as provided for under paragraph 4 above where outside Medical Certificate for sick absence may be accepted at the discretion of the leave sanctioning authority in all other cases an employee who is unable to attend duty on grounds of illness, unless suffering from infectious disease must, at the earliest time possible and before the commencement of his duty, report to the Medical Officer at the Madras Port Trust Hospital according to the Hospital timetable of attendance, or, when totally incapacitated from reporting in person, send or cause to be sent on the forenoon of the same day intimation in writing to this effect to the Chief

Medical Officer furnishing his full address. In the latter case a Medical Officer may be deputed to examine the employee in his residence for the purpose of issuing a Trust's Medical Certificate or report, subject to recovery from him of conveyance charges at the prescribed rate, patients suffering from infectious disease like small pox, chicken pox, Measles, should send intimation to the Chief Medical Officer. This will apply whether or not an employee is under Trust's treatment.

7. Maternity Leave.—Maternity leave as admissible under the Trust's leave rules may be granted to the female employees subject to production of a certificate from the Medical Officer and sending intimation of the date of confinement/abortion to the Chief Medical Officer.

All female employees of the Trust who are pregnant for a duration of six weeks should report to the Maternity wing of the Trust's hospital for examination and registration of their names. Only such female employees will be considered for maternity leave on production of private medical certificate for Abortion/MTP later.

8. Leave not entitled to and Leave without Medical certificate.—The production of a Medical Certificate does not by itself confer upon the employee concerned any right for leave when otherwise not admissible. Notwithstanding anything contained in these regulations the leave sanctioning authority may in its discretion altogether waive the requirement of a certificate in case of leave on grounds of illness for periods not exceeding 3 days at a time. Such leave shall not, however, be treated as leave on Medical Certificate and shall be debited against leave other than on Medical grounds.

9. Death Certificate.—Death Certificate signed by the Medical Officer or outside Hospital authorities or Municipal authorities will be accepted. The Medical Officer will issue death certificate only when death is certified by him after personal examination. Death Certificate from outside Hospital or Municipal authorities must be accompanied by an appropriate declaration from the legal heir the deceased.

10. Sick Transport (Ambulance Transport) and Charges.—Normally, patients must make their own arrangement for conveyance to and fro from their residence to Trust's Hospital. Trust's employees will however be reimbursed charges paid for an ambulance used for their conveyance or the conveyance of members of their family subject to the following conditions :

(a) If it is so advised by the Medical Officer to convey the patient only by ambulance transport.

(b) If the ambulance is used to convey a patient to a place of treatment (M.P.T. Hospital) or to convey a patient from one Hospital to another as directed by the Chief Medical Officer for purposes of certain Medical examination, etc.

(c) If the ambulance used belonged to Government or local Fund or a Social Service Organisation such as Red Cross Society, etc., and

(d) If the ambulance is used within the Madras City Limits.

11. Medical Attendance in the Trust's Hospital.—(a) Patients reporting to the Trust's Hospital for treatment must produce their Medical identity card. Eligibility for treatment will not be recognised unless Medical Identity Card is produced.

(b) The working hours of the Trust's Hospital will be fixed by the Chief Medical Officer. Patients will be attended to only according to the Hospital time-table for medical attendance. Instructions regarding these will be kept exhibited in the Hospital Notice Boards. Employment injury cases and emergency cases will be attended to at all times. Whether it is an emergency case or not will be entirely at the discretion of the Medical Officer.

(c) Patients cannot choose their own Medical Officer. They will be attended to only by the appropriate Medical Officers as laid down by the Chief Medical Officer. The Chief Medical Officer and specialists will be available for

limited consultation of patients by previous appointment and the Hospital procedure for this purpose must be strictly observed. Cases will be referred to the Chief Medical Officer Specialists only when the Chief Medical Officer Specialists consultation is necessary. Subject to the above, no employee can insist on attention by the Chief Medical Officer or the Specialists.

(d) An employee reporting for treatment after marking his attendance must produce a time-sheet from an Authorised person of his department which must be issued only to an employee who is eligible for Trust's Medical Service. The time of reporting and leaving the Trust's Hospital must be got entered in the time-sheet according to the Hospital instructions and it must be produced to the supervisory personnel soon on return to the worksite except when a Trust's Medical Certificate for sick absence from duty is issued.

(e) It is entirely the responsibility of an employee patient to get the time sheet marked and to make sure from his Medical Officer whether he is issued with a Trust's Medical Certificate for sick absence from duty. If he is given sick absence he should immediately communicate this to his department in the best manner possible.

(f) Patients must report in person for repeat medicine except when advised not to do so or permitted to be represented by someone else by the Medical Officer. Bottles and containers properly cleaned must be brought by the patient for medicine.

(g) Hospital rules and hospital manners must be strictly observed. Instructions conveyed by the Hospital staff and exhibited in the Hospital Notice Boards must be strictly followed. Disciplinary action will be taken for any breach committed in this regard. The concerned employee will carry personal responsibility in this respect for acts committed by this family or attendance.

12. Regular Attendance at Trust's Hospital after issue of Trust's Admission Medical Certificate.—An employee issued with a Trust's Admission Medical Certificate must, for purpose of assessing the progress of the case to review the 'Probable Period' of Sickness recommended, report to the Medical Officer as instructed by him from time to time and, if totally incapacitated from doing so at any stage, must send written intimation to this effect, together with his full address, to the Chief Medical Officer. In the later case the employee may be examined in his residence by the Medical Officer for the purpose of reviewing the case with reference to the 'Probable Period' of sick absence recommended. This will apply even when an employee is not under Trust's Medical treatment.

13. Information regarding Admission to outside Hospital in the City of Madras.—An employee who gets himself admitted to an outside hospital in the City of Madras as an in-patient, on the recommendation of the Medical Officer or on his own as an emergency case, must send intimation to the Chief Medical Officer within 2 days of such admission, furnishing particulars regarding the name of the Hospital and Ward and bed number and should report to the Medical Officer immediately on discharge from the Hospital notwithstanding any leave recommended by the Hospital. If advised to continue treatment as an out-patient, the employee concerned would report in person to the Medical Officer at OP dispensary without any delay and follow his instructions regarding further attendance.

14. Procedure to quit the station on Non-Medical grounds after issue of Trust's Admission Medical Certificate.—When an employee issued with Trust's Admission Medical Certificate wants to leave the station on non-medical grounds for urgent reasons, he must apply to the head of his department, for permission giving the reason. The employing department may at his discretion grant permission on the merits of each case. The permission so granted must be for a short period falling within the date of expiry of period of 'off' duty mentioned in the Trust's Medical Certificate last issue, and the employee is required to report to the Medical Officer on expiry of the period for which permission is granted. The responsibility of consulting the Medical

Officer regarding the capacity of the employee patient to travel lies with the employee.

15. Furnishing Information Regarding Eye Complaint or Eye Operation.—An employee who develops eye trouble or undergoes eye operation when not under Trust's Medical care should immediately report the same in writing to the head of his department through his immediate superior, who will send the report to the Trust's Hospital together with the employee concerned and such an employee should not be taken back for work without issue of necessary report by the Trust's Hospital.

16. Special Diseases.—(a) Venereal Disease and Scabies.—An employee suffering from venereal disease or scabies will not forfeit pay otherwise admissible as long as he reports the disease to the Medical Officer within 3 days of its appearance and provided he has carried out the treatment recommended thoroughly. In the case of failure to comply with either of these provisions, the certificate will state that the complaint was brought on by his carelessness and/or was

prolonged by his carelessness and this may entail in leave or loss of pay or other suitable action being taken against the employee concerned.

(b) Tuberculosis and Leprosy.—Long leave on Medical grounds for an employee suffering from Tuberculosis or Leprosy (which are chronic ailments requiring prolonged treatment) will be considered only as an alternative to discharge from service for prolonged incapacity for work, provided the sick employee follows the Trust's Medical Attendance Regulations. Where an employee suffering from Tuberculosis or Leprosy fails to follow the Trust's Medical Attendance Regulations and/or the Inspections of the Medical Officer, the Medical Officer may issue a note or endorse on the Trust's Medical Certificate of the employee to the effect : 'Does not comply fully with the instructions of the Medical Officer/the Trust's Medical Attendance Regulations' and the department will take appropriate action regarding sanction of leave for or reinternment in service of such an employee. Memo of intimation will be sent to such an employee by the Department.